

---

## Shri Veda Vyasa Stotram 2

श्रीवेदव्यासस्तोत्रम् २

### Document Information

---

Text title : Shri Veda Vyasa Stotram 2

File name : vedavyAsastotram2.itx

Category : deities\_misc, gurudev

Location : doc\_deities\_misc

Author : trivikramapaNDitAcharya

Transliterated by : Krishnananda Achar

Proofread by : Krishnananda Achar

Latest update : May 15, 2020

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

October 3, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Veda Vyasa Stotram 2

---

### श्रीवेदव्यासस्तोत्रम् २

---



अस्यन्विशेषाद्भजतो भवौघाद्व्यगार्दींश्च विशिष्ट आस ।  
सोयं उरिव्यासपदाभिधेयः संप्रीयतां सत्यवतीसुतोमे ॥ १

(तम्म प्रदीपिका)

याभ्यां शुश्रूषुरासीः कुरुकुलजनने क्षत्र विप्रोदिताभ्यां  
ब्रह्मभ्यां बृंहिताभ्यां चितिसुभवपुषा कृष्णनामास्यदाभ्याम् ।  
निर्लेदाभ्यां विशेषाद्धिवयन विषयाभ्यामुभाभ्यामभूभ्यां  
तुभ्यं य क्षेमदेभ्यः सरसिजविलसल्लोचनेभ्यो नमोऽस्तु ॥ २

सानुङ्कोशैरजसं जनिमृति निरयाधूर्भिमावाविलेस्मिन्  
संसारार्थौ निमग्नान् शरारामशरारानिच्छतो वीक्ष्य जन्तून् ।  
युष्माभिः प्रार्थितः सन् जलनिधिशयनः सत्यवत्यां मदर्षे  
व्यक्तश्चिन्मात्र मूर्तिर्नभलु भगवतः प्राकृतो जातु देवः ॥ ३

अस्तव्यस्तंसमस्तश्रुतिगतमधमैः रत्नपूगं यथाँदै  
रर्थं लोकोपकलुप्तै गुणगणानिलयः सूत्रयामासकृत्स्नम् ।  
योसौ व्यासाभिदानस्तमडमडरडर्भक्तितस्त्वत् प्रसादात्  
सद्यो विद्योपलब्धै गुरुतममगुरुं देवदेवं नमामि ॥ ४

श्रीउरिवायुस्तुतिः (२६, ३६, ३७)


ॐ श्रीमत् त्रिविक्रमपण्डिताचार्यविरचितं श्रीवेदव्यासस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Krishnananda Achar

---

Shri Veda Vyasa Stotram 2

pdf was typeset on October 3, 2021

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

